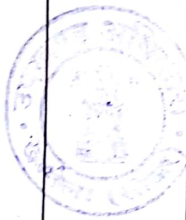


पत्रावली, पत्रावली पर उपलब्ध राजपत्र रेकार्ड एवं पेडाकुदा राजीनामा का अवलोकन किया गया। मुँडि विवादिन पक्षकारण प्रार्थीगण के आवा-गमन हेतु (रुखि अग्नि ज.नं. 672/1 में) सहमति से रास्ता कटवाना चाहते हैं तथा रास्ते में आने वाली अग्नि के बचले दोगुनी अग्नि प्रार्थीगण देने को व अप्रार्थीगण लेने को तैयार हैं।

अतः उक्त तथ्यों के आलोक में प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है तथा आदेश दिया जाता है कि :-

निर्णय

प्रार्थीगण की खातेदारी रुखि अग्नि ख.नं. 672/1 तम ग्राम लाजनी में आवागमन हेतु लाखनी से वींगस आने वाली सड़क से अग्नि ख.नं. 669 की दक्षिणी सीमा पर अवस्थित सड़क से अग्नि ख.नं. 669 के दक्षिणी पूर्वी कोने से ख.नं. 669 की पूर्वी सीमा के अन्दर सहारे - सहारे 100 वर्गमीटर, लम्बाई में 100x चौड़ाई में पमीटर उत्तरी-तरफ अग्नि ख.नं. 671 की पूर्वी सीमा के अन्दर सहारे - सहारे 100 वर्गमीटर, लम्बाई में 50x चौड़ाई में पमीटर अग्नि ख.नं. 672/1 की सीमा तक राजपत्र रेकार्ड में गौ. मु. सिवायचक्र खास्ता नजरी नकशा अनुसार दर्ज किया जावे। उक्तानुसार गौ. मु. सिवायचक्र दर्ज होने वाली राजपत्र अग्नि से अगली सं. 5 से मुक्त किया जावे। उक्त राजपत्र अग्नि के बचले अप्रार्थीगण नं. 1 तथा के प्रार्थीगण की खातेदारी अग्नि ख.नं. 672/1 2387 0.39 है में से अग्नि ख.नं. 671 व 649 के लगते हुए सीमा के सहारे - सहारे 100 वर्गमीटर अग्नि का बहिष्कार बराबर - बराबर खातेदार का स्वकार कोष्ठित किया जाता है तथा उक्तानुसार उक्त 100 वर्गमीटर अग्नि से प्रार्थीगण नं. 1 तथा 2 व मृतक महारिण पुत्र नारायण, सुसुजी पत्नी रामनाथ का नाम राजपत्र रेकार्ड से हटाया गया।



हुकम	हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तालीम में जारी हुए
------	--------------------------------------	---

जाता है। उक्तानुसार राफता मे आने वाली भूमि को अग्रणी सं. 5 से रदन मुक्त किया जाकर अग्रणी सं. 1 ता 4 की शेष भूमियों पर अग्रणी सं. 5 का रदन वर्ज किया जावे तथा राफते के बदले अग्रणी सं. 1 ता 4 के वर्ज होने वाली भूमि को अग्रणी सं. 5 ता 8 से रदन मुक्त कर प्राथमिक की शेष भूमि पर अग्रणी सं. 5 ता 8 का रदन वर्ज किया जावे। उक्तानुसार राजान रेकार्ड में अमल व रामद लेह तहसीलदार खण्डेला को तहरीर आदेश जारी होकर पत्रावली कुमल कुमार हो तथा बाद तहसील काजिल दफतर हो। निर्णय पुले न्यायालय में सुनाया गया।

5627  
19-6-18



शमीरथ शास्त्र  
उपखण्ड अधिकारी  
खण्डेला (सीकर)